द्विवर्षीय बी.एड. कार्यक्रम पाठ्यक्रम विवरण

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)

यह कार्यक्रम कार्यरत अध्यापकों के ज्ञान, कौशल, समझ–बूझ तथा अभिवृतियों को विकसित करने के लिए सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों का विवेकपूर्ण संयोजन है। कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम में उदाहरणों, प्रासंगिक स्थितियों के प्रकरण तथा आवश्यकता–आधारित कार्यकलाप शामिल किए गए हैं। आवश्यकता के अनुसार सैद्धांतिक पहलुओं का भी सहारा लिया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में पाठ्यक्रमों के निम्नलिखित चार समूह शामिल हैंः

समूह क	ःकोर पाठ्यक्रम	Group - A - Core Courses
समूह ख	ःविषयवस्तु आधारित कार्यप्रणाली पाठ्यक्रम	Group - B - Content basad methodology Courses
समूह गः	विशेष पाठ्यक्रम	Group - C - Special Courses
समूह घः	प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम	Group - D - Practical Courses

पाठ्यक्रम का विवरण (Description of Programme)

स्कूल अध्यापकों की कार्य आवश्यकता और व्यापक कार्यक्रम उद्देश्यों पर विचार करके इस कार्यक्रम में 5 अनिवार्य विषयों को सम्मिलित किया है इनमें से तीन विषय प्रथम वर्ष में तथा दो विषय द्वितीय वर्ष में रखे गए हैं। इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल 5 सैद्धांतिक प्रश्न पत्र तथा द्वितीय वर्ष में 3 सैद्धांतिक प्रश्न पत्र होंगे।

समूह क : कोर पाठ्यक्रम

Group - A - Core Courses

प्रथम वर्ष में ई. एस. 331, ई. एस. 332, ई. एस. 333, तथा द्वितीय वर्ष में ई. एस. 334, ई. एस. 335, पाठ्यक्रम निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक
1.	ई एस –331	पाठ्यचर्या एवं अनुदेश
	E. S. - 331	Curiculum and Instruction
2.	ई एस –332	विकास और अधिगम का मनोविज्ञान
	E. S. - 332	Psychology of Development & Learning
3.	ई एस –333	शैक्षिक मूल्यांकन
	E. S. - 333	Educational Evaluation
4.	ई एस –334	शिक्षा और समाज
	E. S. - 334	Education and Society
5.	ई एस –335	अध्यापक और विद्यालय
	E. S. - 335	Teacher and School

समूह ख : विषयवस्तु आधारित कार्यप्रणाली पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष (कोई दो)

Group B: Content Based Methodology Courses (First Year) (Any two)

इस घटक का संबंध विद्यालयीन विषय पढ़ाने संबंधी क्रिया विधि से है। प्रस्तावित कुल विषयों में से आप कोई दो अध्यापन विषय चुन सकते हैं जो आपके स्नातक स्तर पर चयनित अथवा शाला में अध्यापनरत विषय हों। विद्यालय विषयों की निम्नलिखित सूची में से कोई दो पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक
1.	ई एस –341	विज्ञान अध्यापन
	E. S. - 341	Teaching of Science
2.	ई एस –342	गणित अध्यापन
	E. S. - 342	Teaching of Mathematics
3.	ई एस –343	सामाजिक अध्ययन अध्यापन
	E. S. - 343	Teaching of Social Studies
4.	ई एस –344	अंग्रेजी अध्यापन
	E. S. - 344	Teaching of English
5.	ई एस –345	हिंदी शिक्षण
	E. S. - 345	Teaching of Hindi

समूह ग : विशेष पाठ्यक्रम (द्वितीय वर्ष) (कोई एक)

Group C: (Special Course) (Second Year) (Any one)

पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक
1	ई एस –361	शिक्षा प्रौद्योगिकी
	E. S. - 361	Education Technology
2.	ई एस –362	शिक्षा में कम्प्यूटर
	E. S. - 362	Computer in Education
3.	ई एस –363	मार्गदर्शन एवं परामर्श
	E. S. - 363	Guidance and Counselling
4.	ई एस –364	दूरवर्ती शिक्षा
	E. S. - 364	Distance Education

समूह घ : प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम
Group D: Practical Courses

इस समूह के अंतर्गत कौशल विकास पर बल दिया गया है। प्रयोगात्मक कार्य विभिन्न सिद्धांत पाठ्यक्रमों में दी गई विषय सामग्री पर आधारित है। प्रयोगात्मक अनुभव को निम्नलिखित दो प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत उचित रूप से श्रेणीबद्ध और व्यवस्थित किया गया है।

प्रथम वर्ष (First Year)

पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक
1.	ई एस –382	कार्यशाला आधारित प्रयोग
	E. S. - 382	Workshop based Practicals
2.	ई एस –383	शिक्षण अभ्यास
	E. S. - 383	Practice Teaching
द्वितीय वर्ष (Second Year)		
1.	ई एस –381	विद्यालय आधारित प्रयोग
	E. S. - 381	School based Practicals
2.	ई एस –382	कार्यशाला आधारित प्रयोग
	E. S. - 382	Workshop based Practicals
3.	ई एस –383	शिक्षण अभ्यास
	E. S. - 383	Practice Teaching

सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों की विस्तृत संरचना निम्नलिखित है :

ई एस – 331 पाठ्यचर्या और अनुदेश — अधिकतम अंक – 100

ES-331 CURRICULUM AND INSTRUCTION — Maximum Marks 100

एक अध्यापक के रूप में आप पाठ्यचर्या के विकास और कक्षा में उसके कार्यान्वयन में निरंतर लगे हैं, यह पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या की अवधारणा और उसके विभिन्न आयामों, शिक्षण पद्धतियों–उसकी योजना और प्रबंधन, अध्यापन की विधियाँ तथा उनसे जुड़े अध्यापन कौशलों को स्पष्ट करता है। इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 पाठ्यचर्या योजना	**Block 1 Curriculum Planning**
इकाई 1 पाठ्यचर्या की परिभाषा	Unit 1 Defining Curriculum
इकाई 2 पाठ्यचर्या योजना के लिए विचार	Unit 2 Considerations for Curriculum Planning
इकाई 3 पाठ्यचर्या विकास	Unit 3 Curriculum Development
इकाई 4 पाठ्यचर्या मूल्यांकन	Unit 4 Curriculum Evaluation
खंड 2 शिक्षण पद्धति	**Block 2 Instructional System**
इकाई 5 पद्धति उपागम	Unit 5 Systems Approach
इकाई 6 अनुदेशात्मक उद्देश्य	Unit 6 Instructional Objectives
इकाई 7 अध्यापक नियंत्रित अनुदेश	Unit 7 Teacher - Controlled Instruction
इकाई 8 विद्यार्थी (अध्येता) नियंत्रित अनुदेश	Unit 8 Learner - Controlled Instruction
इकाई 9 समूह नियंत्रित अनुदेश	Unit 9 Group - Controlled Instruction
खंड 3 अनुदेश का नियोजन और प्रबंधन	**Block 3 Planning and Management of Instruction**
इकाई 10 अनुदेशात्मक योजना	Unit10 Instructional Planning
इकाई 11 अनुदेशात्मक कार्यनीतियाँ	Unit 11 Instructional Strategies
इकाई 12 अनुदेश का प्रबंधन	Unit 12 Managing Instruction
इकाई 13 अनुदेश के लिए संसाधन	Unit 13 Resources for Instruction
खंड 4 अध्यापन कौशल	**Block 4 Teaching Skills**
इकाई 14 अध्यापन क्षमता	Unit 14 Teaching Competence
इकाई 15 अध्यापक नियंत्रित अनुदेश से जुड़े कौशल –I	Unit 15 Skills Associated with Teacher-Controlled Instructioin-I
इकाई 16 अध्यापक नियंत्रित अनुदेश से जुड़े कौशल – I	Unit 16 Skills Associated with Teacher-Controlled Instruction-II
इकाई 17 अनुदेशात्मक संचार माध्यम और संबद्ध कौशल	Unit 17 Instructional Media and Related Skills

ई एस –332 विकास और अधिगम का मनोविज्ञान अधिकतम अंक – 100
ES - 332 PSYCHOLOGY OF DEVELOPMENT AND LEARNING MM - 100

अध्यापक के लिए मानव विकास और अधिगम की मूल अवधारणाओं को समझना अत्यंत आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम में अधिगम प्रक्रियाओं के साथ–साथ इसमें निहित मानव विकास के विभिन्न पक्षों को स्पष्ट किया गया है। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी के विकास और अध्ययन (अधिगम) विन्यास में अध्यापक की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1: अध्येता के विकास का अध्ययन	**Block 1Understanding the Development of the Learner**
इकाई 1 वृद्धि एवं विकास की अवधारणा और सिद्धांत	Unit 1 Concept and Principles of Growth and Development
इकाई 2 शारीरिक, सामाजिक, संवेदनात्मक और नैतिक विकास	Unit 2 Physical, Socio-Emotional and Moral Development
इकाई 3 संज्ञानात्मक और भाषायी विकास	Unit 3 Cognitive and Language Development
इकाई 4 व्यक्तित्व के विकास को प्रभावित करने वाले कारक	Unit 4 Factors Influencing Development of Personality
खंड 2 अध्येता का एक विशिष्ट व्यक्ति के रूप में अध्ययन	**Block 2 Understanding the Learner as a Unique Individual**
इकाई 5 व्यक्तिगत भिन्नताएँ : संज्ञानात्मक क्षेत्र	Unit 5 Individual Differences: Cognitive Domain
इकाई 6 व्यक्तिगत भिन्नताएँ : भावात्मक क्षेत्र	Unit 6 Individual Differences: Affective Domain
इकाई 7 लैंगिग वैचारिक–विषय	Unit 7 Gender Issues
इकाई 8 व्यक्तिगत भिन्नताओं को उत्पन्न करने वाले कारक	Unit 8 Factors Producing Individual Differences
खंड 3 अधिगम की प्रक्रिया का अध्ययन	**Block 3 Understanding the Learning Process**
इकाई 9 अधिगम की प्रक्रिया का स्वरूप	Unit 9 Nature of the Learning Process
इकाई 10 अधिगम के उपागम	Unit 10 Approaches of Learning
इकाई 11 अधिगम के क्षेत्र	Unit 11 Domains of Learning
इकाई 12 अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक	Unit 12 Factors Influencing Learning
खंड 4 अधिगम एवं विकास का सुगमीकरण	**Block 4 Facilitating Learning and Development**
इकाई 13 व्यक्तिगत समायोजन और संवेदनात्मक परिपक्वता	Unit 13 Personal Adjustment and Emotional Maturity
इकाई 14 सामाजिक समायोजन	Unit 14 Social Adjustment
इकाई 15 बच्चे और उनकी विशेष आवश्यकताएँ	Unit 15 Children with Special Needs
इकाई 16 छात्रों का अनुदेशन	Unit 16 Guiding Students

ई एस –333 शैक्षिक मूल्यांकन — अधिकतम अंक 100
ES - 333 Educational Evaluation — Maximum Marks 100

अध्यापन–अधिगम पद्धतियों में मूल्यांकन और अनुवर्ती संशोधन अत्यंत आवश्यक होता है। अध्यापक के रूप में आपको विद्यार्थी के मूल्यांकन के विभिन्न आयामों की जानकारी और कक्षा अध्ययन–अध्यापन के लिए उनके प्रयोग का ज्ञान होना चाहिए। इस पाठ्यक्रम में आपको मूल्यांकन उपकरणों (साधनों) और तकनीकों को विकसित करने तथा उनके प्रयोग करने के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है। यह प्रभावकारी मूल्यांकन के लिए आंकड़ों का विश्लेषण करने तथा उनकी व्याख्या करने में भी सहायता प्रदान करता है। इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 अध्यापन अधिगम प्रक्रिया में मूल्यांकन

इकाई 1 मूल्यांकन की आवश्यकता, अवधारणा तथा इसकी विशेषताएँ

इकाई 2 मूल्यांकन के उपागम

इकाई 3 अनुदेशात्मक (शिक्षण) उद्धेश्य

इकाई 4 मूल्यांकन का प्रयोजन

खंड 2 मूल्यांकन की तकनीक तथा उपकरण (साधन)

इकाई 5 मूल्यांकन की तकनीकें

इकाई 6 एक अच्छे मूल्यांकन उपकरण की कसौटी (निष्कर्ष)

इकाई 7 उपकरणों के प्रकार

खंड 3 अध्येता मूल्यांकन

इकाई 8 उपलब्धि परीक्षण

इकाई 9 विद्यालय में सामान्यतः प्रयुक्त परीक्षण

इकाई 10 उपलब्धि से संबंधित निदान

इकाई 11 सतत् तथा व्यापक मूल्यांकन

खंड 4 विश्लेषण की सांख्यिकीय तकनीकें

इकाई 12 आंकड़ों के सारणीयन तथा आलेखीय निरूपण

इकाई 13 केंद्रीय प्रवृति के माप

इकाई 14 परिवर्तित या प्रकीर्णन का अर्थ व इसका महत्व

इकाई 15 प्रसामान्य बटन तथा इसकी व्याख्या

इकाई 16 सहसम्बंध – व्याख्या तथा शैक्षिक मूल्यांकन

Block 1 Evaluation in Teaching-Learning Process

Unit 1Need, Concept and Characteristics of Evaluation

Unit 2 Approaches to Evaluation

Unit 3 Instructional Objectives

Unit 4 Purpose of Evaluation

Block 2 Techniques and Tools of Evaluation

Unit 5 Techniques of Evaluation

Unit 6 Criteria of a Good Tool

Unit 7 Types of Tools

Block 3 Learner's Evaluation

Unit 8 Achievement Tests

Unit 9 Commonly Used Tests in Schools

Unit 10 Diagnosis Related to Achievement

Unit 11 Continuous and Comprehensive As sessment

Block 4 Statistical Techniques of Analysis

Unit 12 Tabulation and Graphical Representation of Data

Unit 13 Measures of Central Tendency

Unit 14 Measures of Dispersion

Unit 15 Normal Distribution and its Interpretation

Unit 16 Correlation - Its Interpretatio and Importance

ई एस– 334 शिक्षा और समाज — अधिकतम अंक – 100
ES - 334 EDUCATION AND SOCIETY — Maximum Marks 100

प्रबुद्ध और प्रगतिशील समाज के विकास में शिक्षा प्रमुख भूमिका निभाती है। अध्ययनशील समाज में अध्यापक सामाजिक परिवर्तन का साधक होता है। अतः एक अध्यापक के रूप में शिक्षा के विभिन्न पहलुओं और भारत में उनकी भूमिका के बारे में आपको जानकारी होना आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम में एक उभरते हुए समाज में सामाजिक और शैक्षिक सुधार के विभिन्न मुद्दो पर प्रकाश डाला गया है। इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 शिक्षा बोधन

इकाई 1 शिक्षा और इसका स्वरूप
इकाई 2 शिक्षा के अभिकरण
इकाई 3 शिक्षा के दार्शनिक आधार
इकाई 4 शिक्षा में लोकतांत्रिक सिद्धांत

खंड 2 भारतीय सामाजिक संदर्भ में शिक्षा

इकाई 5 भारतीय समाज की आकांक्षाएं
इकाई 6 भारतीय समाज का स्वरूप
इकाई 7 भारतीय समाज और शिक्षा
इकाई 8 विद्यालय और समाज

खंड 3 भारतीय शिक्षा पद्धति का विकास

इकाई 9 भारतीय शिक्षा का विहंगावलोकन और विकास (स्वतंत्रतापूर्व काल)
इकाई 10 विद्यालय शिक्षा का विकास (1947 से 1964 तक)
इकाई 11 विद्यालय शिक्षा का विकास (1964 से 1986)
इकाई 12 विद्यायल शिक्षा का विकास (1986 और उसके पश्चात)

खंड 4 भारतीय शिक्षा पद्धति : कुछ मुद्दे

इकाई 13 विद्यालय शिक्षा में असमानता
इकाई 14 विद्यालय शिक्षा के सर्वसुलभीकरण से संबंधित मुद्दे
इकाई 15 वर्तमान परीक्षा पद्धति से संबंधित मुद्दे
इकाई 16 माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधित मुद्दे

Block 1 Understanding Education

Unit 1 Education and its Nature
Unit 2 Agencies of Education.
Unit 3 Philosophical Basis of Education
Unit 4 Democratic Principles in Education

Block 2 Education in Indian Societal Context

Unit 5 Aspirations of Indian Society
Unit 6 Nature of Indian Society
Unit 7 Indian Society and Education
Unit 8 School and Society

Block 3 Indian Education System - Its Development

Unit 9 Overview and Development of Indian Education (PreIndependence Period)
Unit 10 Development of School Education from 1947 - 1964
Unit 11 Development of School Education from 1964 - 1986
Unit 12 Development of School Education (1986 and after)

Block 4 Indian Education System: Some Issues

Unit 13 Inequality in School Education
Unit 14 Issues Related to Universalization of School Education
Unit 15 Issues Related to Present Examination System
Unit 16 Issues Related to Vocationalisation of Secondary Education

ई एस – 335 अध्यापक और विद्यालय — अधिकतम अंक – 100
ES - 335 TEACHER AND SCHOOL — Maximum Marks 100

एक अध्यापक के रूप में आपसे अनेक भूमिकाएँ निभाने की आशा की जाती है चाहे ये कक्षा में हो, कक्षा से बाहर विद्यालय में हों अथवा समाज में हों। इस पाठ्यक्रम में प्रबंधक, संचालक (व्यावस्थापक) और व्यावसायिक के रूप में विद्यालय पद्धति में अध्यापक की भूमिका का वर्णन किया गया है। इससे विद्यालय की संरचना (ढांचा) और उसकी कार्यप्रणाली की भी जानकारी मिलती है।इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 विद्यालय पद्धति	**Block 1 School System**
इकाई 1 सामाजिक पद्धति में विद्यालय	Unit 1 School in the Societal System
इकाई 2 विद्यालय शिक्षा की संरचना	Unit 2 Structure of School Education
इकाई 3 विद्यालय संगठन	Unit 3 School Organisation
इकाई 4 संगठनात्मक व्यवहार	Unit 4 Organisational Behaviour
खंड 2 अध्यापक–भूमिका और विकास	**Block 2 The Teacher - Role and Development**
इकाई 5 अध्यापक का व्यक्तित्व	Unit 5 Personality of a Teacher
इकाई 6 अध्यापक की भूमिकाएँ	Unit 6 Roles of a Teacher
इकाई 7 अध्यापक विकास	Unit 7 Teacher Development
इकाई 8 अध्यापक मूल्यांकन	Unit 8 Teacher Evaluation
खंड 3 विद्यालय प्रबंधन	**Block 3 School Management**
इकाई 9 प्रबंधन प्रक्रिया और अध्यापक	Unit 9 Management Process and the Teacher
इकाई 10 नेतृत्व भूमिकाएँ	Unit 10 Leadership Roles
इकाई 11 संगठनात्मक परिवेश	Unit 11 Organisational Climate
खंड 4 विद्यालय कार्यकलाप	**Block 4 School Activities**
इकाई 12 व्यावसायिक कार्यकलाप	Unit 12 Professional Activities
इकाई 13 सह–पाठ्यचारी कार्यकलाप	Unit 13 Co-curricular Activities
इकाई 14 अनुदेशात्मक प्रबंधन से जुड़े कार्यकलाप	Unit 14 Instructional Management Related Activities
इकाई 15 प्रशासन से जुड़े कार्यकलाप	Unit 15 Administration Related Activities

विषय वस्तु आधारित कार्यकलाप पाठ्यक्रम
(ई एस – 341 से ई एस – 345 तक)
CONTENT-BASED METHODOLOGY COURSES
(ES-341 to ES-345)

अध्यापक शिक्षा का प्रमुख उद्धेश्य कक्षा में विशेष विषय की विषयवस्तु को पढ़ाने के कौशल और क्षमताओं को विकसित करना है। कुछ सामान्य कौशल होते हैं और कुछ कौशल विशिष्ट विषय क्षेत्रों से संबंधित होते हैं। विषयवस्तु आधारित कार्यप्रणाली पाठ्यक्रमों का उद्धेश्य विशिष्ट विषय में व्यवस्थित ढंग से अध्यापन का विकास करना है। इन युक्तियों पर जानकारी उपलब्ध कराई गई है। आप अपने विशेषज्ञता के विषयों के अनुसार कोई दो पाठ्यक्रम चुन सकते हैं ये विषय विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, अंग्रेजी तथा हिंदी हैं।

ई एस –341 विज्ञान अध्यापन — अधिकतम अंक 100
ES - 341 TEACHING OF SCIENCE — Maximum Marks 100

इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 विज्ञान में अनुदेशात्मक (शैक्षणिक) योजना बनाना तथा मूल्यांकन	**Block 1 Nature, Objective, and Approaches**
इकाई 1 विद्यालयीय पाठ्यचर्या में विज्ञान	Unit 1 Science in School Curriculum
इकाई 2 विज्ञान अध्यापन के उपागम तथा विधियाँ	Unit 2 Approaches/Methods of Teaching Science
इकाई 3 विज्ञान में प्रभावी अनुदेशों के लिए योजना तथा अभिकल्प तैयार करना	Unit 3 Planning for Effective Instruction in Science
इकाई 4 अध्येता प्रगति मूल्यांकन	Unit 4 Evaluation/Assessment of Learner's Progress
खंड 2 भौतिकी का अध्यापन	**Block 2 Teaching of Physics**
इकाई 5 बल और गति	Unit 5 Motion and Force
इकाई 6 प्रकाश –दर्पणों तथा लैंसों द्वारा प्रतिबिंब का बनना	Unit 6 Light - Image Formation by Mirrors and Lenses
इकाई 7 विद्युत चुम्बकत्व	Unit 7 Electricity and its Effects
इकाई 8 विश्व तथा अन्तरिक्ष खोज	Unit 8 Universe and Space Exploration
खंड 3 रसायन विज्ञान का अध्यापन	**Block 3 Teaching of Chemistry**
इकाई 9 परमाणु संरचना, आवर्ती वर्गीकरण तथा रसायनिक आबंधन	Unit 9 Structure of Matter
इकाई 10 रसायनिक अभिक्रियाएँ	Unit 10 Chemical Reactions
इकाई 11 धातुओं तथा अधातुओं का निष्कर्षण	Unit 11 Metals and Non-metals
इकाई 12 कार्बन तथा उसके यौगिक	Unit 12 Carbon and its Compounds
खंड 4 जीव विज्ञान का अध्यापन	**Block 4 Teaching of Life Sciences**
इकाई 13 सजीव जगत् में संगठन	Unit 13 Organization in the Living World
इकाई 14 खाद्य उत्पादन तथा प्रबंधन	Unit 14 Food Production and Management
इकाई 15 पोषण तथा स्वास्थ्य	Unit 15 Nutrition and Health
इकाई 16 मनुष्य तथा पर्यावरण	Unit 16 Man and Environment

ई एस –342 गणित अध्यापन — अधिकतम अंक 100
ES - 342 TEACHING OF MATHEMATICS — Maximum Marks 100

इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 गणित अध्यापन का स्वरूप, इसके उद्धेश्य तथा उपागम	**Block 1Nature, Objectives and Approaches to Teaching of Mathematics**
इकाई 1 विद्यालयीय पाठ्यचर्या में गणित का स्वरूप, आवश्यकता तथा स्थान	Unit 1 Nature, Need and Place of Mathematics in the School Curriculum

इकाई 2 गणित शिक्षण के उपागम व प्रविधियाँ	Unit 2 Approaches and Techniques of Teaching Mathematics
इकाई 3 गणित के प्रभावी शिक्षण की योजना बनाना	Unit 3 Planning for Effective Instruction of Mathematics
इकाई 4 गणित में मूल्यांकन	Unit 4 Evaluation in Mathematics
खंड 2 अंकगणित तथा वाणिज्य का अध्यापन	**Block 2 Teaching Arithmetic and Commercial Mathematics**
इकाई 5 संख्या पद्धति घातांक तथा लघुगणक	Unit 5 Number Systems, Exponents and Logarithms
इकाई 6 प्रारंभिक संख्या सिद्धांत	Unit 6 Elementary Number Theory
इकाई 7 प्रतिशत (I) प्रतिदिन के कार्यकलापों में अनुप्रयोग	Unit 7 Percent (I) Applications to Everyday Activities
इकाई 8 प्रतिशत (II) व्यावसायिक गणित	Unit 8 Percent (II) Commercial Mathematics
इकाई 9 सांख्यिकी : औसत, आँकड़ों का वर्गीकरण और लेखाचित्र द्वारा निरूपण	Unit 9 Statistics: Averages, Graphic Representation and Classification of Data
खंड 3 बीजगणित का अध्यापन तथा संगणन	**Block 3 Teaching Algebra and Computing**
इकाई 10 बहुपदः आधारभूत सकल्पनाएँ तथा गुणनखंडन	Unit 10 Polynomials, Basic Concepts and Factoring
इकाई 11 रैखिक समीकरण तथा असमिकाएँ : आलेख तथा द्विघात समीकरण	Unit 11 Linear Equations and Inequalities: Graphs and Quadratic Equations
इकाई 12 समुच्चय, संबंध, फलन तथा आलेख	Unit 12 Sets, Relations, Functions and Graphs
इकाई 13 अनुक्रमण, प्रवाह संचित्र तथा संगणन	Unit 13 Sequencing, Flow Charting and Computing
खंड 4 ज्यामिति तथा त्रिकोणमिति का अध्यापन	**Block 4 Teaching Geometry and Trigonometry**
इकाई 14 मूल अवधारणाएँ, समान्तर रेखाएँ और समांतर चतुर्भुज	Unit 14 Basic Concepts, Parallel Lines and Parallelogram
इकाई 15 सर्वांगसमता और त्रिभुजों की रचना	Unit 15 Congruence and Construction of Triangles
इकाई 16 क्षेत्रमिति : क्षेत्रफल और आयतन	Unit 16 Mensuration: Area and Volume
इकाई 17 त्रिभुज और त्रिकोणमिति में इनका अनुप्रयोग	Unit 17 Triangles and its Applications to Trigonometry

ई एस – 343 सामाजिक अध्ययन का अध्यापन — अधिकतम अंक – 100
ES - 343 TEACHING OF SOCIAL STUDIES — Maximum Marks 100

इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 सामाजिक अध्ययन के अध्यापन का शिक्षण शास्त्र	**Block 1 Pedagogy of Teaching Social Studies**
इकाई 1 सामाजिक अध्ययन के अध्यापन का स्वरूप, उद्धेश्य तथा उपागम	Unit 1 Nature, Objectives and Approaches of Teaching Social Studies
इकाई 2 सामाजिक अध्ययन में अनुदेशात्मक निवेश	Unit 2 Instructional Inputs in Social Studies
इकाई 3 सामाजिक अध्ययन की अनुदेशात्मक प्रक्रिया	Unit 3 Instructional Process in Social Studies
इकाई 4 सामाजिक अध्ययन में मूल्यांकन	Unit 4 Evaluation in Social Studies
खंड 2 इतिहास का अध्यापन	**Block 2 Teaching of History**
इकाई 5 प्राचीन सभ्यताएँ – सिंधु घाटी सभ्यता	Unit 5 Indus Valley Civilization
इकाई 6 आधुनिक युग का आरंभ	Unit 6 Beginning of the Modern Age
इकाई 7 भारत की सांस्कृतिक विरासत	Unit 7 Cultural Heritage of India
इकाई 8 भारतीय जागरण	Unit 8 Indian Awakening
खंड 3 भूगोल का अध्यापन	**Block 3 Teaching of Geography**
इकाई 9 भूगोल शिक्षण के उपकरण	Unit 9 Tools of Geography
इकाई 10 प्राकृतिक वातावरण	Unit 10 Natural Environment
इकाई 11 वातावरण के साथ मानव अन्योन्यक्रिया	Unit 11 Human Interaction with Environment
इकाई 12 भारत का भौतिक आधार तथा जलवायु प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीवन	Unit 12 India's Physical Features
खंड 4 अर्थशास्त्र एवं नागरिक शास्त्र का अध्यापन	**Block 4 Teaching & Economices & Civics**
इकाई 13 प्राकृतिक संसाधन तथा उनका उपयोग	Unit 13 Natural resources and their uses
इकाई 14 भारतीय अर्थव्यवस्था का बुनियादी ढांचा	Unit 14 Infrastructure of Indian Economy
इकाई 15 भारतीय अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन	Unit 15 An Overview of Indian Economy
इकाई 16 एक राष्ट्र के रूप में भारत	Unit 16 India - As a Nation

ES – 344 TEACHING OF ENGLISH — Maximum Marks 100

This Course has maximum marks 100.

Block 1 Instructional Planning in the Teaching of English

Unit 1 Nature, Need and Objectives
Unit 2 Who are the Learners of Language
Unit 3 Approaches, Methods and Techniques in English Language Teaching (ELT)
Unit 4 Daily Lesson Plans: Strategies for Classroom Transaction

Block 2 Listening Comprehension and Speaking

Unit 5 Teaching Listening – I
Unit 6 Teaching Listening - II
Unit 7 Developing Speaking/Oral Skills
Unit 8 Speaking Activities
Unit 9 Testing Listening Ability and Listening Comprehension
Unit 10 Testing Speaking Skills

Block 3 Reading Comprehension

Unit 11 The Reading Process
Unit 12 Developing Reading Skills
Unit 13 Reading Comprehension - **I**
Unit 14 Reading Comprehension - **II**
Unit 15 Teaching Vocabulary

Block 4 Teaching Writing and Grammar

Unit 16 The Writing Process
Unit 17 Different Types of Writing
Unit 18 Teaching Study Skills
Unit 19 Teaching Grammar : New Type Activities and Games
Unit 20 Improving and Assessing Writing Ability
Unit 21 Testing Grammar and Usage

ई एस –345 हिंदी शिक्षण प्रविधि — अधिकतम अंक 100

इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 हिंदी शिक्षण : सैद्धान्तिक पक्ष

इकाई 1 भाषा की प्रकृति एवं प्रकार्य
इकाई 2 भाषा अधिगम प्रक्रिया
इकाई 3 विद्यालयीन स्तर पर भाषा
इकाई 4 हिंदी शिक्षण की व्यवस्था एवं सामग्री

खंड 2 भाषिक योग्यताओं का विकास

इकाई 1 हिंदी के भाषिक तत्व –1
इकाई 2 हिंदी के भाषिक तत्व – 2
इकाई 3 श्रवण एवं मौखिक अभिव्यक्ति के कौशल का विकास
इकाई 4 पठन योग्यता
इकाई 5 लिखित अभिव्यक्ति कौशल का विकास

खंड 3 साहित्यिक विद्याओं का शिक्षण एवं व्याकरण शिक्षण

इकाई 1 कविता–शिक्षण
इकाई 2 निबन्ध शिक्षण
इकाई 3 गद्य की अन्य विधाओं का शिक्षण

इकाई 4 व्याकरण–शिक्षण

खंड 4 मूल्यांकन क्रियात्मक शोध तथा समुन्नयन कार्य

इकाई 1 भाषा संप्राप्ति मूल्यांकन

इकाई 2 निदानात्मक एवं उपचारात्मक कार्य

इकाई 3 क्रियात्मक शोध

इकाई 4 समुन्नयन कार्य

विशेष पाठ्यक्रम (ईएस361 से ईएस364 तक)

(SPECIAL COURSES (ES - 361 To ES 364)

अपनी रूचि और विशेषज्ञता के विशेष क्षेत्र के बारे में बेहतर जानकारी और अतःदृष्टि प्राप्त करने के लिए चार विशेष कार्यक्रम प्रदान किए गए हैं। इन चार पाठ्यक्रमों में से द्वितीय वर्ष में एक लेना आवश्यक है।

In order to get better understanding and insight about the particular area of interest and specialisation four special courses are offered in Second Year Out of the four special courses one course has to be opted for.

ई एस –361 शैक्षिक प्रौद्योगिकी **अधिकतम अंक – 100**

ES-361 - EDUCATIONAL TECHNOLOGY **Maximum Marks - 100**

अध्यापक के रूप में शिक्षण (अनुदेशात्मक) पद्धतियों की व्यवस्थित पाठ्यचर्या के नियोजन और उसे तैयार करने की पूरी जानकारी प्राप्त करना अति आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम हार्डवेयर और साफ्टवेयर कार्यक्रम (पाठ्य–सामग्री) के उचित उपयोग की अपेक्षित क्षमता विकसित करने के लिए आपकी सहायता करता है। यह मीडिया की उपयुक्त जानकारी और उसके अभीष्टतम प्रयोग की उचित जानकारी भी विकसित करता है।इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 शैक्षिक प्रौद्योगिकी के सैद्धांतिक आयाम	**Block 1 Educational Technology : Multifaceted Problem Solving Approach**
इकाई 1 शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं संचार	Unit 1 Educational Technology for Learning Society
इकाई 2 पद्धति (प्रणाली) उपागम	Unit 2 Case Study of a Open School
इकाई 3 अनुदेशात्मक पद्धति	Unit 3 Case Study of a Participative Learning
इकाई 4 शैक्षिक प्रौद्योगिकी में नवीनताएँ / केस अध्ययन	
खंड 2 अनुदेशात्मक (शिक्षक) माध्यम	**Block 2 Educational Technology : State of the Art**
इकाई 5 अध्यापन अधिगम प्रक्रिया में माध्यम	Unit 4 Evolution of Educational Technology : Technology of Education and Technology in Education
इकाई 6 ग्राफिक्स	Unit 5 Instructional Media and Materials - I

इकाई 7 श्रव्य–दृश्य कार्यक्रम	Unit 6 Instructional Media and Materials - II
इकाई 8 कम्प्यूटर और उपग्रह	Unit 7 Emerging Technologies
खंड 3 अनुदेशात्मक (शिक्षण) सामग्री का विकास	**Block 3 Software Development**
इकाई 9 स्व–शिक्षण (अनुदेशात्मक) सामग्री	Unit 8 Principles of organizing Learning Experiences
इकाई 10 श्रव्य कार्यक्रमों के लिए आलेख तैयार करना (आलेखन)	Unit 9 Principles of Preparing Software
इकाई 11 टेप स्लाइड कार्यक्रमों के लिए आलेखन	Unit 10 Application to Audio/Video Programmes
इकाई 12 दृश्य कार्यक्रमों के लिए आलेखन	Unit 11 Application to Computer Programmes
खंड 4 शैक्षिक प्रौद्योगिकी में प्रयोग किए जाने वाले हार्डवेयर/उपस्कर	**Block 4 Optimizing Learning**
इकाई 13 श्यामपट्	Unit 12 Media Selection and Integration
इकाई 14 प्रक्षेपक (प्रोजेक्टर)	Unit 13 Developing Learning Skills
इकाई 15 श्रव्य–दृश्य कार्यक्रमों के लिए उपस्कर	Unit 14 Experiential Learning
इकाई 16 कम्प्यूटर	Unit 15 Evaluation of Technology
	Unit 16 Managing Technology

ई एस – 362 शिक्षा में कम्प्यूटर — अधिकतम अंक – 100

ES-362 COMPUTERS IN EDUCATION — Maximum Marks -100

वर्तमान युग को 'कम्प्यूटर युग' कहा जा सकता है। कम्प्यूटरों के व्यापक अनुप्रयोग है। अध्यापक के रूप में आपको शिक्षा में कम्प्यूटरों के अनुप्रयोग से परिचित होना चाहिए। यह पाठ्यक्रम आपको पाठ्यचर्या योजना और अनुदेश और मूल्यांकन के व्यवहारों के लिए शिक्षा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने के लिए तैयार करेगा। इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 कम्प्यूटर समर्थित अनुदेश	**Block 1 Computer Aided Instruction**
इकाई 1 कम्प्यूटर आधारित शिक्षा में अवधारणाएं	Unit 1 Concepts in Computer-based Education
इकाई 2 सी बी आई कोर्सवेयर का अभिकल्प और विकास – I	Unit 2 Design and Development of CBI Courseware - I
इकाई 3 सी बी आई कोर्सवेयर का अभिकल्प और विकास – I	Unit 3 Design and Development of CBI Courseware - II
इकाई 4 सी बी आई कोर्सवेयर का अभिकल्प और विकास – III	Unit 4 Design and Development of CBI Courseware - III
खंड 2 अभिकल्प मुद्दे और कार्यनीतियां	**Block 2 Design Issues and Strategies**
इकाई 5 अध्यापन और विद्यार्थी मॉडल	Unit 5 The Teaching and Student Models
इकाई 6 प्रलेखन और तकनीकी सहायता	Unit 6 Documentation and Technical Support
इकाई 7 कोर्सवेयर लेखन	Unit 7 Courseware Writing
इकाई 8 सी बी आई विकास परियोजना	Unit 8 Management of CBI Development

का प्रबंधन — Project

खंड 3 शिक्षा में कम्प्यूटरों का परिचय — **Block 3 Introduction to Computers in Education**

इकाई 9 कम्प्यूटर प्रणाली–शैक्षिक कम्प्यूटरिंग के लिए हार्डवेयर — Unite 9 The Computer System - Hardware for Educational Computing

इकाई 10 शैक्षिक कम्प्यूटरिंग के लिए साफ्टवेयर उपकरण — Unite 10 Software Tools for Educational Computing

इकाई 11 शिक्षा में कम्प्यूटरों का प्रभाव — Unite 11 Impact of Computers in Education

इकाई 12 अध्यापन कार्यक्रम में प्रयोग के लिए शैक्षिक साफ्टवेयर का मूल्यांकन — Unite 12 Evaluation of Educational Software for Use in a Teaching Programme

खंड 4 शैक्षिक प्रशासन में कम्प्यूटर — **Block 4 Computers in Educational Administration**

इकाई 13 शैक्षिक (नियोजन) योजना में कम्प्यूटरों की भूमिका — Unite 13 Role of Computers in Educational Planning

इकाई 14 शैक्षिक प्रशासन में कम्प्यूटरों की भूमिका — Unite 14 Role of Computers in Educational Administration

इकाई 15 प्रश्न बैकिंग उत्तर स्कोरिंग और मद विश्लेषण — Unite 15 Question Banking, Answer-Scoring and Item-Analysis

इकाई 16 मुक्त शिक्षा पद्धतियों में कम्प्यूटर — Unite 16 Computers in Open Learning Systems

खंड 5 केस अध्ययन — **Block 5 Case Studies**

ई एस – 363 मार्गदर्शन एवं परामर्श — अधिकतम अंक – 100

ES-363 GUIDANCE AND COUNSELLING — Maximum Marks - 100

अध्यापक को बालकों के लिए मित्र दार्शनिक एवं मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना पड़ता है। उसे विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने और उन्हें सुलझाने के लिए ज्ञान, कौशलों एवं अभिवृत्तियों से लैस रहना चाहिए। इस पाठयक्रम में विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने के लिए आवश्यक पृष्ठभूमि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम में मार्गदर्शन एवं परामर्श की अवधारणा और आवश्यकता की अनिवार्य पृष्ठभूमि उपलब्ध कराई गई है। तथा कैरियर अभिविन्यास सहायक पद्धतियों और समूह कार्यकलाप पर भी प्रकाश डाला गया है। इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 मार्गदर्शन एवं परामर्श का परिचय — **Block 1 Introduction to Guidance and Counselling**

इकाई 1 मार्गदर्शन को समझना — Unit 1 Understanding Guidance

इकाई 2 परामर्श को समझना — Unit 2 Understanding Counselling

इकाई 3 कक्षा में मार्गदर्शन — Unit 3 Guidance in the Classroom

इकाई 4 मार्गदर्शन में अध्यापक एवं कैरियर अध्यापकों की भूमिका — Unit 4 Role of the Teacher and Career Masters in Guidance

खंड 2 मार्गदर्शन की तकनीकें (प्रविधियां) एवं कार्यविधियां — **Block 2 Techniques and Procedures of Guidance**

इकाई 5 मार्गदर्शन की तकनीकें — Unit 5 Techniques of Guidance

इकाई 6 मार्गदर्शन कार्यक्रम — Unit 6 Guidance Programme

इकाई 7 व्यावसायिक सूचना	Unit 7 Occupational Information
इकाई 8 समूह मार्गदर्शन	Unit 8 Group Guidance
खंड 3 व्यावसायिक विकास	**Block 3 Vocational Development**
इकाई 9 कार्य की प्रकृति	Unit 9 Nature of Work
इकाई 10 कैरियर विकास	Unit 10 Career Development
इकाई 11 कैरियर विन्यास	Unit 11 Career Patterns
इकाई 12 भारत में बालिकाओं का कैरियर विकास	Unit 12 Career Development of Girls in India
खंड 4 विद्यार्थियों का विशेष समस्याओं के साथ मार्गदर्शन करना	**Block 4 Guiding Students with Special Problems**
इकाई 13 वाक् समस्या	Unit 13 Speech Problem
इकाई 14 अपंग विद्यार्थियों की सामाजिक–सवेंदनात्मक समस्याएँ	Unit 14 Socio-Emotinal Problems of Disabled Students
इकाई 15 सुविधावंचित बालकों (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) की समस्याएं	Unit 15 Problems of Deprived Children (SC/ST)
इकाई 16 विद्यार्थियों का विशेष समस्याओं के साथ मार्गदर्शन करना	Unit 16 Guiding Students with Special Problems

---

ई एस – 364 दूर शिक्षा — अधिकतम अंक – 100
ES - 364 DISTANCE EDUCATION — Maximum Marks - 100

दूर शिक्षा को शिक्षा प्रदान करने का सर्वाधिक सशक्त माध्यम (पद्धति) माना गया है। एक अध्यापक के रूप में आपको दूर शिक्षा की अवधारणा, कार्यक्षेत्र प्रक्रियाओं और इसके अनुप्रयोगों से परिचित होने की आवश्यकता है। इस पाठ्यक्रम में आपको दूर शिक्षा के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है। साथ ही साथ दूर शिक्षा सैद्धांतिक नियमों दूर शिक्षा को प्रभावी करने वाले विभिन्न कारकों तथा स्व–शिक्षण सामग्री तैयार करने की तकनीकों से भी परिचित कराया गया है।इस प्रश्नपत्र के अधिकतम 100 अंक हैं।

खंड 1 दूर शिक्षा का विकास	**Block 1 Development of Distance Education**
इकाई 1 दूर शिक्षा : अवधारणा एवं कार्यक्षेत्र	Unit 1 Distance Education : Concept and Scope
इकाई 2 दूर शिक्षा : आवश्यकता एवं विशेषताएं	Unit 2 Distance Education : Need and Features
इकाई 3 दूर शिक्षा की संवृद्धि	Unit 3 Growth of Distance Education
इकाई 4 दूर शिक्षा पद्धति का संगठन	Unit 4 Organisation of Distance Education System
खंड 2 दूर से शिक्षण	**Block 2 Development of Distance Education**
इकाई 5 पद्धतियों एवं माध्यम का चयन	Unit 5 Selection of methods and Media
इकाई 6 स्व–शिक्षण सामग्री का डिजाइन और निर्माण	Unit 6 Design and Preparation of Self-Instructional Material
इकाई 7 दूर शिक्षा के लिए संपादन	Unit 7 Edition for Distance Education

इकाई 8 दूर शिक्षा के अध्यापक	Unit 8 Distance Education
खंड 3 दूर से अध्ययन	**Block 3 Learning at a distance**
इकाई 9 दूर शिक्षा के विद्यार्थी	Unit 9 Distance Learners
इकाई 10 स्व–अध्ययन	Unit 10 Self-Learning
इकाई 11 विद्यार्थी सहायता सेवाएं	Unit 11 Student Support Services
इकाई 12 अध्ययन का सतत् मूल्यांकन (निर्धारण)	Unit 12 Continous Assessment of Learning
इकाई 13 दूर शिक्षा में संचार माध्यम	Unit 13 Media in Distance Education
खंड 4 दूर शिक्षा में कार्यक्रम मूल्यांकन	**Block 4 Programme Evaluation in Distance Education**
इकाई 14 दूर शिक्षा पद्धति का प्रबंधन	Unit 14 Management of Distance Education System
इकाई 15 कार्यक्रम मूल्यांकन : अवधारणा एवं आवश्यकता	Unit 15 Programme Evaluation : Concept and Need
इकाई 16 कार्यक्रम मूल्यांकन की प्रक्रिया : पद्धति एवं कार्यविधि	Unit 16 Process fo Programme Evaluation: Method and Procedure
इकाई 17 आर्थिक परिप्रेक्ष्य	Unit 17 Economic Perspective

प्रयोगात्मक पाठयक्रम (ईएस381 से ईएस383 तक)

PRACTICAL COURSES (ES 381 To ES 383)

इस पाठ्यक्रम के द्वारा शिक्षकों के शैक्षिक कौशल के विकास पर समुचित बल दिया जाएगा। प्रयोगात्मक कार्य विभिन्न सिद्धांत पाठ्यक्रमों में प्रस्तुत विषय सामग्री पर आधारित होगा। इन प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों को निम्नलिखित तीन प्रयोगात्मक पाठयक्रमों के अंतर्गत श्रेणीबद्ध एवं व्यवस्थित किया गया है :

ई एस –381 विद्यालय आधारित प्रयोग (4 क्रेडिट) अधिकतम अंक – 150

ES - 381 SCHOOL BASED PRACTICALS Maximum Marks - 150

आप चूंकि विद्यालय में कार्य कर रहें हैं और बी. एड. कार्यक्रम में नामांकित एवं पंजीकृत हैं, इसलिए आपको अपने विद्यालय के दैनिक एवं नियमित कार्य के दौरान कुछ कार्यकलाप भी करने होंगे। इन कार्यों में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों उपकरणों का प्रशासन, स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी गतिविधियों का आयोजन, खेलकूद में भाग लेना, (वाद–विवाद परिचर्चा) आयोजित करना, विद्यालय की समय तालिका बनाना, प्रश्न पत्र और समंकन प्रक्रिया तैयार करना विभिन्न संसाधनों का चयन और प्रयोग करना जैसे पुस्तकालय प्रयोगशालाएँ संचार माध्यम और सामग्री आदि शामिल होंगे। आपको अपने विषय क्षेत्र जैसे विज्ञान, भाषा और सामाजिक अध्ययनों से जुड़े क्लब संबंधी कार्यकलापों में भी भाग लेना होगा।

विद्यालय आधारित कार्यकलापों की सूची नीचे दी गई है। आपसे यह अपेक्षा है कि आप प्रत्येक कार्यकलाप के लिए निर्धारित मार्गदर्शिका के अनुसार इन विद्यालय आधारित कार्यकलापों को पूर्ण करेंगे। इनमें से आप को 4 क्रेडिटों के समतुल्य (कुल 120 अध्ययन घंटों के समतुल्य) कार्यकलापों को चयन कर पूर्ण करें। प्रत्येक सम्पादित कार्यकलाप के लिए एक प्रतिवेदन तैयार करना है। यह प्रतिवेदन निर्धारित सीमा में हो तथा प्रधान पाठक/प्राचार्य के प्रमाणन या प्रमाण–पत्र व टिप्पणियों सहित निर्धारित समय/कार्यशाला के दौरान अपने अध्ययन केन्द्र में जमा करें। प्रत्येक कार्यक्रम का प्रतिवेदन निम्न लिखित बिन्दुओं के अंतर्गत करना होगा। आपके द्वारा किए गए कार्य को मूल्यांकन के लिए कार्यक्रम केंद्र के विशेषज्ञों को भेजा जाएगा। विद्यालय आधारित

प्रयोगों सम्बंधी मूल्यांकन द्वितीय वर्ष में सम्पन्न होंगे। इन प्रयोगों को प्रथम व द्वितीय वर्ष में सम्पन्न कर निम्न निर्देशानुसार लिपिबद्ध करें। इनका मूल्यांकन निम्नानुसार किया जावेगा।

1. विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन – आपके विद्यालय के प्राचार्य/प्रधान पाठक के द्वारा यह मूल्यांकन, इन दो सत्रों में आपके द्वारा अपने विद्यालय में सम्पन्न किए गए कार्यकलाप के आधार पर किया जावेगा। इस हेतु अधिकतम अंक 50 निर्धारित किए गए हैं।

2. कार्यक्रम केन्द्र मूल्यांकन – विद्यालय में आपके द्वारा सम्पन्न किए गए विभिन्न क्रियाकलापों के लिपिबद्ध दस्तावेजों के आधार पर कार्यक्रम केन्द्र में मूल्यांकन किया जावेगा। इस हेतु अधिकतम अंक 50 निर्धारित किए गए हैं।

3. बाह्यमूल्यांकन – आपके द्वारा विद्यालय में सम्पन्न किए हुए कार्यकलापों का बाह्यपरीक्षक द्वारा मूल्यांकन किया जावेगा। इस हेतु अधिकतम अंक 50 निर्धारित किए गए हैं।

1. **कार्यकलाप का नाम**
2. **उद्देश्यः** इसके अंतर्गत किए जाने वाले कार्यकलाप के उद्देश्य निर्धारित कर लिखें।
3. **आपकी भूमिकाः** (एक छात्राध्यापक के रूप में) : कार्यकलाप को सम्पादित करने में आपकी भूमिका विस्तृत रूप से। (लगभग 300 शब्दों में)
4. **उत्पाद/उपलब्धिः** इसके अंतर्गत आप के द्वारा सम्पादित किए गए कार्यकलाप द्वारा विद्यालय को हुई उपलब्धि के बारे में संक्षेप में वर्णन करेंगे। आपसे पूर्व इस कार्यकलाप की स्थिति तथा आपके प्रयास से हुए सुधार के बारे में लगभग 200 शब्दों में वर्णन करें।

उदाहरण –

क्रियाकलाप – 1. रजिस्टर एवं अभिलेखों (रिकार्ड) का रखरखाव

कार्य विवरण – विभिन्न प्रकार के रजिस्टरों जैसे विद्यार्थियों के दाखिल–खारिज, परीक्षा, हाजिरी, प्रयोगशाला, भण्डार इत्यादि।

उपर्युक्त विद्यालय रजिस्टरों में से किन्हीं दो रजिस्टरों का तीन महीनों तक संचालन करना, रिकार्ड रखने योग्य आवश्यक सूचनाओं का संचयन, विभन्न प्रकार की सूचनाओं का संचयन तथा अभिलेखन से सम्बंधित समस्याओं व मुद्दों पर चर्चा करना तथा उनके सम्भावित समाधान ढूँढना।

किए गए कार्य का का लगभग दो या तीन पृष्ठों का (500–600) शब्दों का प्रतिवेदन तैयार करना तथा इसके साथ उन अभिलेखों की प्रति संलग्न करना जिस पर आपने कार्य किया हो। आपके द्वारा तैयार किए गए प्रतिवेदन आपके विद्यालय के प्रधान पाठक/प्राचार्य द्वारा प्रमाणित किया गया होना चाहिए।

क्रेडिट बिंदु – रजिस्टर का रख–रखाव या संचालन 3 माह तक प्रति कार्य दिवस 30 मिनट के आधार पर (56 कार्य दिवस) हेतु प्रस्तावित समय 28 घंटे, प्रतिवेदन लेखन 2 घंटे, कुल समय 30 घंटे ।
उपर्युक्त उदाहरण के आधार पर दर्शाए गए निम्न विषयों पर क्रियाकलाप संपन्न करें।

कार्यकलाप 1. रजिस्टर एवं अभिलेखों का रखरखाव 3 माह तक
कार्यकलाप 2. विद्यालय प्रार्थना सभा का सम्बोधन 3 माह तक
कार्यकलाप 3. कक्षा में समाजमितीय परीक्षण का संचालन करना
कार्यकलाप 4. आप के अध्यापन विषय की किसी विशेष इकाई की विषयवस्तु का विश्लेषण करना।

कार्यकलाप 5. किसी एक विद्यार्थी को लेकर उसका पिछले 2 वर्षों का संचयी अभिलेख तैयार करना।

कार्यकलाप 6. अपने विद्यालय की समय सारणी निर्माण करना तथा उसे कार्यान्वित करना।

कार्यकलाप 7. व्यावसायिक वार्ता/अभिभावक अध्यापक संघ की बैठक का आयोजन
कार्यकलाप 8. विद्यालय में वाद–विवाद प्रतियोगिता/प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन।
कार्यकलाप 9. विद्यालय की दैनिक समस्याओं के निवारण हेतु क्रियात्मक अनुसंधान करना।
कार्यकलाप 10. क्षेत्र भ्रमण

ई एस –382 कार्यशाला –आधारित प्रयोग — अधिकतम अंक – 100

ES - 382 WORKSHOP BASED PRACTICALS — Maximum Marks - 100

कार्यशाला आधारित प्रयोग प्रथम व द्वितीय वर्ष में सम्पन्न किए जाने हैं। प्रथम वर्ष हेतु अधिकतम मूल्यांकन 50 अंक तथा द्वितीय वर्ष में 50 अंक के होंगे।

बी. एड. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए छात्र अध्यापकों को प्रयोगात्मक कार्यशाला में भाग लेना अनिवार्य है। ये कार्यशाला शिक्षा विशेषज्ञों/शिक्षाविदों द्वारा आयोजित किए जाएँगे। इसके अतिरिक्त सहायक सामग्री के रूप में आडियो, वीडियो (श्रव्य–दृश्य) कार्यक्रमों का प्रयोग किया जाएगा। कार्यशाला में आप अपनी अध्यापन क्षमता को सुधारने के लिए विभिन्न कार्यकलापों में व्यक्तिगत रूप से और समूहों में भाग लेंगे।
कार्यशाला में विभिन्न प्रकार के कार्यकलाप जैसे, आदर्श पाठ योजनाएँ श्रव्य–दृश्य सामग्री (चार्ट मॉडल विज्ञान की ट्रांस्पिरेंसी स्लाइडें आदि) अनुरूपित समूह/सहकारी अध्यापन अनुशिक्षण कक्षाएँ, समस्या समाधान, भूमिका निर्वहन, वृतांत वर्णन आदि कराए जाएँगे। समुदाय में विकासात्मक कार्यकलाप आयोजित करने की जिन कौशलों की जरूरत पड़ती है, उन्हें भी कराया जाएगा। कार्यशाला कार्यक्रम केंद्र अथवा इन्हें चुने गये स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यशालाओं में कुछ कार्यशाला पूर्व तथा कार्यशाला पश्च कार्यकलाप होंगे।

> संम्पर्क कक्षाओं /कार्यशाला में छात्र की उपस्थिति 80 प्रतिशत (प्रतिवर्ष) होना अनिवार्य है अन्यथा छात्र संत्रात परीक्षा में बैठने के पात्र नही होंगे।

मनोविज्ञान प्रयोग — अधिकतम अंक – 50

PSYCHOLOGY PRACTICALS — Maximum Marks - 50

मनोविज्ञान प्रयोग द्वितीय वर्ष में कार्यक्रम केन्द्र में सम्पन्न किए जाने हैं। इस हेतु अधिकतम मूल्यांकन 50 अंक होंगे। मनोविज्ञान के प्रयोग सम्बंधी विस्तृत जानकारी आपके कार्यक्रम केन्द्र में दी जावेगी।

ई एस –383 अभ्यास शिक्षण — अधिकतम अंक –200

ES - 383 PRACTICE TEACHING — Maximum Marks - 200

अभ्यास शिक्षण कार्यक्रम प्रथम व द्वितीय वर्ष में सम्पन्न किए जाने हैं। अध्यापन में कौशल सुधारने के लिए आपकी शाला के प्रधान पाठक/प्राचार्य की देखरेख में पूर्व नियोजित अध्यापन कार्य करना पड़ेगा। प्रत्येक छात्र अध्यापक को 40 आदर्श (मॉडल) पाठ अर्थात् प्रत्येक अध्यापन विषय में 20 पाठ प्रस्तुत करने होंगे। जिसमें प्रथम वर्ष में 10–10 तथा द्वितीय वर्ष में 10–10 पाठ अध्यापन करना है।
इनका मूल्यांकन निम्नानुसार किया जावेगा।
1. विद्यालय स्तर पर मूल्यांकन – आपके विद्यालय के प्राचार्य/प्रधान पाठक के द्वारा यह मूल्यांकन, इन दो सत्रों में आपके द्वारा अपने विद्यालय में अध्यापन किए गए विषयों के आधार पर किया जावेगा। इस हेतु अधिकतम अंक 50 हैं प्रत्येक विषय के लिए 25–25 अंक निर्धारित किए गए हैं।

2. कार्यक्रम केन्द्र मूल्यांकन – विद्यालय में आपके द्वारा अध्यापन किए गए विषयों के पाठयोजनाओं के लिपिबद्ध दस्तावेजों के आधार पर कार्यक्रम केन्द्र में मूल्यांकन किया जावेगा। इस हेतु अधिकतम अंक 50 निर्धारित किए गए हैं।

3. बाह्यमूल्यांकन – आपके द्वारा बाह्यपरीक्षक समक्ष अध्यापन किए जाने तथा मौखिक परीक्षा में उपस्थित होने पर मूल्यांकन किया जावेगा। इस हेतु अधिकतम अंक 100 निर्धारित किए गए हैं।

——————